OM-3 - 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 10/04/2021 2:26 PM Page 3

दादी जानकी जी का अभिवादन करते हुए महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी।

ग्लोबल सम्मिट कम एक्सपो-2019 में दादी जानकी जी के साथ उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू जी।

दादी जानकी जी से रूहानी वरदानी दृष्टि लेते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी।

दादी के वृहद मानवता की सेवाओं के मुख्य पड़ाव

आध्यात्मिक ज्ञान से परिपूर्ण दादी जानकी जी द्वारा 1974 में लंदन में सेवाकेन्द्र की स्थापना से विदेश में ईश्वरीय सेवाओं का आरंभ हुआ। उनकी प्रेरणा एवं उनके निर्देशन में आज 137 देशों में ईश्वरीय सेवाकेन्द्र स्थापित किया गया। आध्यात्मिकता से सम्बंधित कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम तथा कॉन्फ्रेंसेज, डायलॉग के ज़रिये विभिन्न सामाजिक समुदायों में आध्यात्मिकता की लहर फैलाई तथा परमात्मा द्वारा परिवर्तन के कार्य को सारे विश्व के सामने रखा। उन्हें इन कार्यों के लिए कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मेडल्स से सम्मानित भी किया गया। उनके मुख्य पड़ाव और उनकी उपलब्धियों को शब्दों में बांधना कठिन है पर हम संक्षिप्त में यहाँ रख रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

- विंग्स ऑफ सोल, 1999 में हीथ कम्युनिकेशन्स के द्वारा
- पर्ल्स ऑफ विजडम, 1999 में हेल्थ कम्युनिकेशन्स के द्वारा
- कम्पैनियन्स ऑफ गॉड, 1999 में ब्र.कु. आई एस द्वारा
- इनसाइड आउट, 2003 में ब्र.कु. आई एस द्वारा
- दादी जानकी द्वारा आम जन के लिए दी गयी सेवाएं

2007
- सेंटर ऑफ एक्सेलेंस फॉर वुमेन्स हेल्थ, कैलिफोर्निया, सैन फ्रांसिस्को में मुख्य वक्ता के तौर पर प्रवचन
- सैक्रामेंटो के स्पिरिचुअल लाइफ सेंटर के वरिष्ठ मंत्री माईकेल मोरन के साथ सिक्रेट्स ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन पर चर्चा

2006
- जस्ट ए मिनट के प्रारम्भ के अवसर पर रोबिन गिब्स द्वारा कविता "मदर ऑफ लव" दादी जानकी को समर्पित की।

2005
- लंदन में आयोजित एक त्रिदिवसीय सम्मेलन- 'बी द चेंज' के दूसरे दिन 'मनुष्य एवं उनका ग्रह' नामक विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रकट किए।
- कैंब्रिज अमेरिका में दादी जी को 'करेज ऑफ कॉन्शन्स्' अवार्ड प्रदान किया गया।
- जून 2005 में मियामी में सम्पन्न what the bleep do we know? नामक कार्यक्रम में दादी ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रवचन प्रस्तुत किया।
- जून 2005 में दादी जी को Kashi Humanitarian Award प्रदान किया गया।
- दिल्ली में सम्पन्न द्वितीय International Conference of Global Mothers, मास्को की एक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दादी ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

2003
- यरुशलम में सम्पन्न World Congress of Religious Leaders के सम्मेलन में दिसम्बर में दादी ने भाग लिया।
- जून 12-14 के बीच ओस्लो में Global Peace Initiative of Women Religious & Spiritual Leaders द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दादी जी ने मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखे।
- लंदन के ओलंपिया कांफ्रेंस सेंटर द्वारा आयोजित Mind Body and Soul Exhibition में Quiet Room का उद्घाटन योगशक्ति राजयोगिनी दादी जानकी ने किया।
- शेलडोनियन थियेटर ऑक्सफोर्ड में "Through the Brain Barrier" नामक विषय पर दादी जानकी, प्रो. कोलिन ब्लैकमोर एवं डॉ. पीटर फेनविक के बीच डायलॉग चला।

2002
- बर्मिंघम में आयोजित "Respect, Its All About Time" नामक कार्यक्रम में दादी जी प्रिंस ऑफ वेल्स सहित अनेक आध्यात्मिक नेताओं के साथ शामिल हुईं।
- मैड्रिड में द्वितीय "UN World Summit On Sustainable Development" के लिए एक प्रतिनिधि मंडल का दादी ने नेतृत्व किया।
- दादी जी ने जेनेवा में आयोजित "The Globle Peace Initiative of Women Religious & Spiritual Leaders" नामक सम्मेलन में भाग लिया।

2000
- Wings of Soul नामक दादी जी की दूसरी पुस्तक का विमोचन संपन्न हुआ।
- Pearls of Wisdom नामक दादी जी की तीसरी पुस्तक का भी विमोचन हुआ।

1999
- जेनेवा में आयोजित "UN World Summit on Social Development" के लिए दादी जी ने एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया।
- स्वीट्ज़रलैंड में आयोजित कार्यक्रम The Human Aspects of Social Integtration में दादी जी ने अपनी प्रस्तुति दी।
- न्यूयार्क के यू.एन.जनरल एसेम्बली हॉल में Millenium world Peace Summit of Religious & Spiritual Leaders नामक एक कार्यक्रम में दादी जी ने ब्रह्माकुमारीज़ प्रतिनिधि मंडल को अपना नेतृत्व दिया और अपना वक्तव्य भी प्रस्तुत किया।
- State of The World Forum न्यूयार्क में अपनी प्रस्तुति दी।

1997
- ग्लोबल अस्पताल एवं शोध संस्थान, आबू पर्वत के कार्यों के सफल संचालन के लिए दादी जी ने जानकी फाउंडेशन फॉर ग्लोबल हेल्थ केयर नामक संस्थान को अपना नाम प्रदान किया। इससे सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं हेल्थ केयर के क्षेत्र में आध्यात्मिकता के योगदान के प्रति लोगों के नज़रिये में बदलाव आया।

1996
- इस्तांबुल,टर्की में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के सेटलमेंट-2 नामक सम्मेलन में दादी जी ने एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया।
- उक्त सम्मेलन में विश्व की विभिन्न सरकारों को दादी जी ने मानवोन्मुख विकास, मनुष्यों की भूमिका एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संदर्भ में उनके कार्यकलाप क्या हों, इसकी जानकारी दी।
- दुनिया के 60 से भी अधिक देशों के बच्चों को सिखलाई जा रही लिविंग वैल्यूज इन एजुकेशनल इनिशियेटीव का शुभारम्भ किया। यूनीसेफ सम्बन्ध शिक्षाविदों के साथ मिलकर दादी जी ने इसका प्रारंभ किया - State of The World Forum; San Francisco में एक वक्ता के रूप में भाग लिया।
- सिंगापुर में 5000 लोगों की उपस्थिति में अपनी पुस्तक 'कम्पेनियन ऑफ गॉड' का चायनीज भाषा में विमोचन किये जाने के अवसर पर दादी जी उपस्थित थीं।
- यूनीसेफ की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर यंग वुमेन ऑफ विजडम नामक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

1995
- बीजिंग, चाइना में आयोजित UN 4th World Conference on women के लिए दादी जी ने एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया।
- राजनीति, विज्ञान, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मूल्यों के विकास का लक्ष्य रखते हुए Sharing Our Values For A Better World नामक एक वैश्विक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसका प्रारम्भ दादी जी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

1993
- Inter-Religious Understanding And Co-operation नामक यू.के. में आयोजित एक कार्यक्रम की मेजवानी दादी जी ने की। इस कार्यक्रम में विभिन्न मतों के 600 से भी अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।
- दादी जी 'वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ फेथ' की उपसभापति चुनी गयीं।
- ऑक्सफोर्ड के नज़दीक ग्लोबल रिट्रीट सेन्टर की स्थापना के निमित्त बनीं।

दादी जानकी जी से मिलते हुए लोक सभा स्पीकर माननीय ओम बिरला जी।

दादी जानकी जी व दादी हृदयमोहिनी जी से मिलते हुए तत्कालिन महामहिम राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी।

दादी जानकी जी का अभिवादन करते हुए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू,आन्ध्र प्रदेश को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए दादी जानकी जी।

वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे जी से ज्ञान चर्चा करते हुए दादी जानकी जी।